शिमला-पंथाघाटी(हि.प्र.)। राष्ट्रपति भवन शिमला में ब्रह्माकुमारीज़ की ओर से राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का स्वागत करने एवं उन्हें संस्थान द्वारा क्षेत्र में की जा रही ईश्वरीय सेवाओं से अवगत कराने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्र.कु. शील दीदी, ब्र.कु. मधु दीदी, शिमला सिटी सेंटर की संचालिका ब्र.कु. सुनीता बहन, ब्र.कु. वेदात्री बहन, माउण्ट आबू से ब्र.कु. हरीश भाई, ब्र.कु. भारत भूषण भाई, ब्र.कु. हुसैन बहन, ब्र.कु. ख्याति बहन, ब्र.कु. ओम प्रकाश भाई, ब्र.कु. यशपाल चौहान, कैप्टन शिव कुमार गोयल सहित अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें मौजूद रहे।

खुद को कभी दूसरों से कम्पेयर न करें

हमें सब तरह की युक्तियां बताये जाने पर भी हम उन स्टेजों को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं, कहीं अटक पड़ते हैं, उसके क्या कारण हैं, उस बारे में सोचें। उसके कई कारण हैं। एक तो मैं यह समझता हूँ कि जाने-अनजाने, जाग्रत अवस्था में या सुषुप्त अवस्था में हम स्वयं की दूसरों से भेंट करते हैं। इसके लिए बाबा युक्ति बताते हैं कि सीफादर अथवा अपने लक्ष्य को सामने रखो। बाबा में जो सम्पूर्णता है, उसको सामने रखें या बाबा ने हमें जो लक्ष्य दिया है उसको सामने रखें। उसके बदले जब हम अपने बड़ों को, अपने से आगे वालों को या अपने साथी सहयोगियों को देख लेते हैं तब हमारे पुरूषार्थ की रफ्तार धीमी हो जाती है। एक व्यक्ति बीस सालों से ज्ञान में है और किसी ने उसके बारे में कह दिया कि उसमें अभी तक भी क्रोध है या किसी में किसी और प्रकार का देह अभिमान है या उसके जीवन का कोई ऐसा दृष्टान्त देखा कि इतने समय ज्ञान में चलने के बाद भी उसमें कोई परिवर्तन नहीं है, तो उसको देखकर अलबेलापन, आलस्य या रफ्तार में कमी आ जाती है। संकल्प आता है कि बाबा को तो सबको घर ले चलना है, मुझ अकेले को तो नहीं ले चलना है, तो क्यों न मैं भी उन जैसी ही चाल चलता रहूँ। जब तक सब तैयार नहीं होंगे तब तक मैं अकेला तैयार होकर क्या करूँ? सबके साथ अपना भी सोचता है। फारसी में एक कहावत है कि 'बहिश्त में जायेंगे तो दोस्तों के साथ ही जायेंगे और दोजक में जायेंगे तो भी दोस्तों के साथ ही जायेंगे'। कोई भी अकेला नहीं जाना चाहता। जब हम दूसरों में पुरूषार्थ की कमी जाने-अनजाने, चाहे-अनचाहे देखते हैं, वह कमी हमारे में भी आ जाती है। इसके लिए बाबा कहते हैं कि बुरा मत देखो, बुरा मत सुनो... इन फालतू बातों को न देखो, न सुनो। यदि

राजयोगी ब्र.कु. जगदीशचन्द्र हसीजा

हम इन बातों को नोट करते हैं, इनमें रूचि लेते हैं, बैठकर सुनते या सुनाते हैं, यह बहुत घातक बात है। यह हमारे लिए विष का काम करती है। बाबा ने कहा है कि हरेक आत्मा का अपना-अपना पार्ट है। एक नहीं मिलता दूसरे से। जब एक-दूसरे से नहीं मिलता तो हम अपने को या दूसरे को अन्य से कैसे भेंट कर सकते हैं? हरेक का अपना पार्ट है, अपनी स्थिति है। अगर मैं उसका पार्ट अनुसरण करने लगूं तो यह ठीक होगा? मुझे शिव बाबा का अनुसरण करना है या किसी ए,बी,सी का? मुझे लगता है कि यह बात हम भूल जाते हैं। बाबा ने और कई कारण तो बताये हैं लेकिन मेरा ध्यान खास इस बात पर जाता है कि हम अपने को दूसरों के साथ कम्पेयर करने लग जाते हैं। कोई हमसे कहता है कि आपके क्रिया-कलाप ठीक नहीं हैं तो हम तुरन्त कहते हैं कि किसके ठीक हैं, आप बताओ। जब हरेक व्यक्ति कोई न कोई धमचक्र में पड़ा हुआ है तो आप मुझे क्यों अपवाद समझते हो? कोई दूध में धुले हुए तो हैं नहीं। आप मुझे ही क्यों कायदे-कानून समझा रहे हो? इस तरह की अपनी सफाई देना शुरू करते हैं।

यह मेरा अपना विचार है कि अपने को दूसरों के साथ कम्पेयर करके हम अपने आपको नुकसान पहुँचाते हैं। लेकिन हमें यह महसूस होता कि हम अपने आप नुकसान कर रहे हैं, अपने को धोखा दे रहे हैं। यह हमारी प्रगति को कम करता है। हमें जिस रफ्तार से आगे बढ़ना चाहिए, बढ़ने नहीं देता। अगर हम यह समझें कि 'हम करके दिखायेंगे', 'हम बाबा के नम्बर वन बच्चे बनेंगे', 'मैं ऐसा पुरूषार्थ करूंगा, दूसरों के लिए आदर्श बनूंगा', तो इसको बाबा कहते हैं, 'जो ओटे सो अर्जुन'। बाबा ने कहा है कि एग्ज़ाम्पल बनो और सैम्पल बनो। बाबा ने यह कभी नहीं कहा कि फलाने को फॉलो करो, ए या बी या सी को फॉलो करो, उसके फॉलोअर बन जाओ। दूसरों से अपनी भेंट करने से, कमी हमारे जीवन में आ जाती है।

सुन्नी-शिमला(हि.प्र.)। माननीय मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू से मुलाकात कर उनके द्वारा प्रदेश में की गई बहुमूल्य सेवाओं की बधाई देने के पश्चात् वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. रेवादास भाई ने उन्हें सुन्नी में ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा आयोजित किये जा रहे षष्ट वार्षिक आध्यात्मिक सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने का निमंत्रण दिया। जिसे मुख्यमंत्री ने सहर्ष स्वीकार किया। इस अवसर पर राजेश धर्माणी,तकनीकी शिक्षा एवं औद्योगिक विभाग मंत्री को भी षष्ट वार्षिक आध्यात्मिक सम्मेलन में आने का निमंत्रण दिया गया। मौके पर ब्र.कु. बलदेव धर्माणी,बिलासपुर भी उपस्थित रहे।

सम्बलपुर-ओडिशा। 'स्वर्णिम विचार द्वारा स्वर्णिम संसार' कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ की अति. मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी ब्र.कु. जयंती दीदी, उत्तरांचल पुलिस महानिरीक्षक हिमांशु कुमार लाल, आई.आई.एम. सम्बलपुर के निदेशक महादेव जैसवाल, टीपीडब्ल्यूओडीएल,बुर्ला के सीईओ गजानन काले, ब्रह्माकुमारीज़ सबज़ोन निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. पार्वती दीदी तथा ब्र.कु. हंसा दीदी।

हॉन्गकॉन्ग-कॉव्लून(चाइना)। सुप्रसिद्ध भारतीय फिल्म अभिनेता अक्षय कुमार व उनकी धर्मपत्नी सुप्रसिद्ध अभिनेत्री ट्विंकल खन्ना से मुलाकात कर उनके साथ आध्यात्मिक चर्चा कर ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् उपस्थित हैं ब्रह्माकुमारी बहन।

दिल्ली-लोधी रोड। ब्रह्माकुमारीज़ सेवाकेंद्र पर आयोजित 'कचरा से कंचन' विषयक संगोष्ठी के पश्चात् समूह चित्र में रोहित डावर,कार्यकारी निदेशक,आईओसीएल, ब्र.कु. पीयूष भाई, ब्र.कु. गिरिजा बहन तथा अन्य प्रतिभागी।

नई दिल्ली-हरि नगर। सेवाकेंद्र पर आयोजित कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करते हुए डॉ. ब्र.कु. शुक्ला दीदी, डॉ. मोहित गुप्ता,निदेशक, कार्डियोलॉजी,जीबी पंत हॉस्पिटल, डॉ. जितेंद्र,सहायक महानिदेशक,राष्ट्रीय कृषि विज्ञान कोष, सीए नरेश राणा,मुख्य प्रबंध निदेशक,विश्व ग्रुप, अमिताभ संधूजा,सीएमडी ट्यूलिप होटल, डी.के. मित्तल,प्रधान अग्रवाल एसोसिएशन, कैप्टन शिव सिंह,अति. निदेशक डीआरडीओ मुख्यालय तथा अन्य।

अलीगढ़-उ.प्र.। 'हार्मनी इन रिलेशनशिप' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में दीप प्रज्वलित करते हुए बाएं से विधायक मानवेंद्र प्रताप सिंह, प्रसिद्ध व्यवसायी धनजीत वाड्रा, मुख्य वक्ता जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा ब्र.कु. शिवानी बहन, ब्रह्माकुमारीज़ के आगरा ज़ोन प्रभारी ब्र.कु. शीला दीदी, खुर्जा सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. नीलम बहन, सादाबाद सेवाकेंद्र संचालिका ब्र.कु. भावना बहन तथा अन्य ब्र.कु. बहनें। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में शासनिक, प्रशासनिक, डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, बिज़नेसमैन व शहर के लोग शामिल रहे।

नागौर-राज.। कलेक्टर साहब को ब्रह्माकुमारीज़ की फिल्म 'द लाइट' के नागौर थिएटर में लॉन्चिंग कार्यक्रम का निमंत्रण देते हुए ब्र.कु. अनिता बहन, ब्र.कु. निरु बहन व ब्र.कु. मंजू बहन।